

MAITHILI
(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

**Please read each of the following instructions carefully
before attempting questions**

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित कोनो एक विषय पर लगभग 600 शब्दमे निबन्ध लिखू :

- (a) युवामे बढ़ैत असहिष्णुता
- (b) असफलता सफलाताक प्रथम सीढ़ी थिक
- (c) पढ़बाक आदत समाप्त भऽ रहल अछि
- (d) अन्धविश्वासक विरोधमे संघर्ष और समाज

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : $12 \times 5 = 60$

रिपोर्ट कहैत अछि जे भारतवर्षक महाविद्यालयसँ उत्तीर्ण भेनिहार 80 प्रतिशत लोक बेरोजगार छथि। युवा-पीढ़ीक सम्पर्कमे रहनिहारमेसँ एक, हम मुदा एहि आँकड़ासँ असहमत छी। युवावर्गक सम्पर्कक आधार पर हम मात्र एतेक कहि सकैत छी जे लगभग 90 प्रतिशत युवाक बेरोजगारीक कारण थिक हुनक अस्पष्ट और उत्तरदायित्वहीन दृष्टिकोण। वर्तमानमे युवावर्ग, कतहुँ पार्वमे रहैत गलतिक आरम्भ अशिष्ट आचरणसँ भरल आत्मविश्वाससँ करैत छथि। ओ बिना किछु प्रयास कयने अति धन कमाबय चाहैत छथि।

एकर अर्थ ई नहि जे हुनकामे क्षमताक अभाव अछि, ओ बढ़ियाँ अंग्रेजी बाजि सकैत छथि और अपना संबंधमे अति विश्वाससँ भरल छथि। ओ नवीनतम रिंग-टोन, सिनेमा और चुटकुलाक जानकार छथि मुदा जखने कियो थोड़ेक आगाँ बढ़ैत अछि तऽ ओ अपन रिक्त आँखिसँ हमरा दिस देखय लगैत छथि। ओ बहुत पैसा अर्जित करय चाहैत छथि, जाहि लेल मीडिया-हाइप और नियमित प्रकाशित होमय बला वेतन-सर्वेके धन्यवाद, मुदा हुनका ओ दक्षता नहि छनि, जे एहि प्रकारेँ धन अर्जित करबामे हुनक सहयोगी होनि। हुनक डिग्रीक सम्मान करैत स्नातक-स्तरक विषयक प्रश्न जाँ हुनकासँ पूछल जाय तऽ अधिकांश विचलित भऽ जाइत छथि। विषयक अतिरिक्त हुनका कोनहुँ विषयक जानकारी नहि रहैत अछि अथवा ओ पढ़ैत नहि छथि। मुदा एतय किछु प्रश्न और अछि। सदाचार और व्यवहारक संबंधमे प्रश्न, अहाँमे और की बढ़ियाँ अछि, अहाँ अपन अतिरिक्त समय कोना व्यतीत करैत छी, और तखन एहन आश्वस्त लड़का-लड़किकसमूह हमरा एहि संशयसँ ग्रसित देखाइ पड़ैत छथि—हमरा एहि प्रश्नक की उत्तर देबाक चाही? हुनका कहब उचित नहि अछि जे ई हुनक अपन जिन्दगी थिक और हुनका अपना संबंधमे हमरा स्वयं कहय चाहियनि। किद्यैक तऽ ओ हरदम बनल-बनायल उत्तर देमय चाहैत छथि, एहन भाव रहैत छनि जेना हुनका एहिसँ मुक्ति देल जाय। ओ कहैत छथि जे—“जौं हम पर्याप्त मात्रामे अभ्यास करब तऽ एहन अवश्य प्रमाणित कऽ देब।” एवम् प्रकारेँ युवावर्ग लोलुप पाठक, गिटार-वादक, स्टार-बल्लेबाज और एतेक धरि जे माली धरि भऽ जाइत छथि। हमरा आश्चर्य होइत अछि, जौं कोनो नासमझ भेंटकर्ता हुनक आधा-अधुरा कथा पर विश्वास करैत अछि तऽ।

यद्यपि भारतवर्ष आगाँ बढ़ि रहल अछि और हमरा समक्ष एहन उत्तरदायित्वहीन पीढ़ी तैयार अछि, जकर एकमात्र लक्ष्य बिना प्रयासक बढ़ियाँ जिन्दगी जियब अछि। एना प्रतीत भऽ रहल अछि जे हम एहन फौज निर्मित कऽ रहल छी, जे बिना किछु दर्शन, बिना वचनबद्धता या सदाचारसँ भरल अछि। अपन चमड़ीके बचायब और किछु उपयुक्त करबामेसँ कोनो एकटाक चुनाव करय हेतु कहला पर, अधिकांश युवाक जवाब वस्तुतः अपनाकेँ बचायब होयत। एना मानल जाइत अछि जे जखन हम युवा रहैत छी तऽ हमरा भीतर किछु आदर्शवाद विद्यमान रहैत अछि, यद्यपि हमर विचार ठोस नहि होइत अछि तथापि हम कोनहुँ प्रयोजनक प्रति ठाढ़ रहबाक इच्छुक तऽ रहैत छी। आई-काल्हि युवावर्गमे कोनहुँ प्रयोजनक प्रति भावावेश नहि अछि। एहि पीढ़ीक अत्यन्त पूर्वाभ्याससँ विनिर्मित उत्तर सुनि हम बुझैत छी जे नव मंत्र मात्र रुपया थिक। एकर अतिरिक्त जों और कियो किछु महत्वपूर्ण बात कहैत छथि तऽ ओ पुरातन थिक।

- ओ की कारण थिक जाहिसँ युवा रोजगार हेतु अयोग्य छथि?
- वर्तमानमे युवा लेखकसँ की अपेक्षा रखैत छथि?
- लेखकक अनुसार, वर्तमानमे युवा पीढ़ीक एकमात्र प्रयोजन की थिक?
- आजुक युवाक बीच विचारणीय नव मंत्र की थिक?
- वर्तमान युवा पीढ़ीक आदर्शवादक प्रति की दृष्टिकोण अछि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मात्र एक-तेहाइ शब्दमे लिखू। शीर्षकक उल्लेख करबाक प्रयोजन नहि अछि। संक्षेपण अपन भाषामे लिखू :

60

रक्षा क्षेत्रमे विदेश पर निर्भरता कम करब और आत्मनिर्भरता प्राप्त करब सामरिक और आर्थिक दुनू कारणसँ वर्तमानमे विकल्पक अपेक्षा आवश्यकता थिक। अतीतमे सरकार हमर सशस्त्र बलक आवश्यकता पूर्ण करबाक हेतु आयुध निर्माण कयलक और सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रमक रूपमे उत्पादन क्षमताक निर्माण कयलक। यद्यपि, विभिन्न रक्षा उपक्रमक उत्पादन क्षमताकेँ विकसित करबाक लेल भारतमे निजी क्षेत्रक भूमिका बढ़यबा पर बल देबाक आवश्यकता अछि। विभिन्न वस्तुक निर्माणकेँ बढ़ावा देबाक हेतु 'मेक इन इन्डिया' सदृश महत्वपूर्ण पहल कयल गेल अछि। अन्य वस्तुक अपेक्षा रक्षा उपकरणक घरेलू उत्पादनक अधिक आवश्यकता अछि, किद्यैक तऽ एहिसँ नहि मात्र बहुमूल्य विदेशी मुद्राक बचत होयत, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षाक चिन्ताकेँ सेहो दूर कयल जा सकत।

रक्षा क्षेत्रमे सरकार एकमात्र उपभोक्ता थिक। अतः 'मेक इन इन्डिया' हमर खरीद नीति द्वारा संचालित होयत। सरकारक घरेलू रक्षा उद्योगकेँ बढ़ावा देबाक नीति, रक्षा खरीद नीतिमे नीक जकाँ परिलक्षित होइत अछि। जतय 'बाइ एंड मेक

इन्डियन' तथा 'बाइ इन्डियन' श्रेणिक बाइ ग्लोबलसँ पूर्व स्थान अबैत अछि। आबय बला समयमे आयात दुर्लभसँ दुर्लभतम भेल जायत और आवश्यक व्यवस्थाक निर्माण और विकासक हेतु सर्वप्रथम अवसर भारतीय उद्योगकें प्राप्त होयत। भनहिं वर्तमानमे भारतीय कम्पनिकें प्रौद्योगिकीक संबंधमे पर्याप्त क्षमता नहि होमय, ओकरा विदेशी कम्पनिक संग संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी हस्तांतरणक व्यवस्था और गठबंधन हेतु प्रोत्साहित कयल जाइत अछि।

एखन धरि रक्षा क्षेत्रमे घरेलू उद्योगक प्रवेश हेतु लाइसेन्स और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रतिबन्ध आदिक सन्दर्भमे कतेक बाधा छल। रक्षा विनिर्माणक क्षेत्रमे निवेशक प्रक्रियाकें आसान बनयबाक हेतु आब कतेको नीतिकें उदार बनाओल गेल अछि। सभसँ महत्वपूर्ण रक्षा क्षेत्रमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकें बढ़ावा देबाक हेतु एफ० डी० आइ० नीतिकें उदार बनाओल गेल अछि। लाइसेन्स नीतिकें सेहो उदार बनाओल गेल अछि और आब घटक, हिस्सा-पुर्जा, काँच-माल, परीक्षण उपकरण, उत्पादन मशीनरी आदिकें लाइसेन्सक क्षेत्रसँ बाहर राखल गेल अछि। जे कम्पनि एहि प्रकारक वस्तुक उत्पादन करय चाहैत अछि, आब ओकरा लाइसेन्सक आवश्यकता नहि होयत।

रक्षा क्षेत्रमे घरेलू और विदेशी दुनू निवेशक हेतु एकटा पैघ अवसर उपलब्ध अछि। एक दिस जतय सरकार निर्यात, लाइसेन्सिंग, एफ० डी० आइ० सहित निवेश और खरीद हेतु नीतिमे आवश्यक परिवर्तन कऽ रहल अछि, ओतहिं उद्योगकें सेहो आवश्यक निवेश और प्रौद्योगिकीक संबंधमे उन्नयन करबाक चुनौतिकें स्वीकार करबाक हेतु समक्ष अयबाक चाही। रक्षा एकटा एहन क्षेत्र थिक जे नवाचारसँ संचालित होइत अछि और जाहिमे भारी निवेश और प्रौद्योगिकीक आवश्यकता अछि। वस्तुतः उद्योग के सेहो अस्थायी लाभक अपेक्षा विस्तृत अवधि हेतु सोचबाक मानसिकता बनबय पड़त। हमरा अनुसन्धान विकास तथा नवीनतम विनिर्माण क्षमता पर अधिक ध्यान देमय पड़त। सरकार, घरेलू उद्योग हेतु एकटा एहन पारिस्थितिकी प्रणाली विकसित करबाक हेतु प्रतिबद्ध अछि, जाहिसँ ओ सार्वजनिक और निजी दुनू क्षेत्रमे बराबरक स्तर पर व्यावसायिक उन्नति कऽ सकय।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू :

20

अरब देशक बेसी हिस्सा रेगिस्तान अछि। एतय चारु दिस रेत और चट्टान अछि। रेत अथवा बाउल एतेक गर्म होइत अछि जे दिनमे खाली पैर अहाँ ओहि पर चलि नहि सकैत छी। रेगिस्तानमे एम्हर-ओम्हर पानिक स्रोत अछि, जे धरतीक बहुत नीचा प्रवाहित होइत अछि, ओ एतेक नीचा अछि जे सूरज सेहो ओकरा सोखि नहि सकैत अछि। अछि तऽ ओहन स्रोत बहुत कम, मुदा जतय कतहुँ कोनो एकहुटाँ स्रोत अछि ओतय नम्हर गाछ होइत अछि और ओ अत्यन्त सुन्दर देखाइ दैत अछि। स्रोतक चारु दिस छायादार हरियर गाछी बनबैत स्थानकें नखलिस्तान कहल जाइत अछि।

अरबवासी जे शहरमे निवास नहि करैत छथि, बरख-भरि रेगिस्तानमे रहैत छथि। ओ तम्बुमे रहैत छथि, जे आसानीसँ गाड़ल और उखाड़ल जा सकैत अछि, जाहिसँ ओ एक नखलिस्तानसँ दोसर नखलिस्तान धरि अपन भेड़, बकरि, उँट और घोड़ाक लेल घास-पानिक हेतु जा सकैत छथि। रेगिस्तानवासी अरब खूब पाकल अंजीर और खजूर खाइत छथि, जे खजूरक गाछमे फड़ैत अछि। ओ ओकरा सुखाबैत छथि और भरि बरख खाद्य पदार्थक रूपमे ओकर उपयोग करैत छथि।

एहि अरबवासी लऽग संसारक सर्वोत्तम घोड़ा रहैत अछि। एकटा अरबवासी अपन सवारी घोड़ाक कारणेँ अपनाकेँ गौरवान्वित अनुभव करैत अछि और घोड़ाकेँ अपन पत्नी और बच्चा सदृश प्रेम करैत अछि। उँट तऽ ओकर अत्यन्त सुन्दर घोड़ासँ बेसी उपयोगी अछि, अत्यन्त विशाल और ताकतवर सेहो। एकटा उँट लगभग दूटा घोड़ासँ बेसी सामान उठा सकैत अछि। अरब लोकनि अपन उँटकेँ सामानसँ खूब लादैत छथि और रेगिस्तानमे मीलक मील सवारी सेहो करैत छथि। जेना ओ सच्चेमे 'रेगिस्तानक जहाज' होमय। बेसी काल ओकरा अहिना सम्बोधित कयल जाइत अछि।

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू :

20

Language and communication are something that children learn by talking to one another. But schools consider this an act of indiscipline. Instead, we have a special grammar class to learn language! One educationist remarked, "It is nice that children spend just a few hours at school. If they spend all 24 hours in schools, they will turn out to be dumb!" In most schools, teachers talk, children listen. The same is true for other skills also. Children learn a great deal without being taught, by tinkering and pottering on their own.

Changes in the school system, if they are to be of lasting significance, must spring from the actions of teachers in their classrooms, teachers who are able to help children collectively. New programmes, new materials and even basic changes in organizational structure will not necessarily bring about healthy growth. A dynamic and vital atmosphere can develop when teachers are given the freedom and support to innovate. One must depend ultimately upon the initiative and respectfulness of such teachers and this cannot be promoted by prescribing continuously and in detail what is to be done.

In education, we can cry too much about money. Sure, we could use more, but some of the best classrooms and schools I have seen or heard of, spend far less per pupil than the average in our schools today. We often don't spend well what money

we have. We waste large sums on fancy buildings, unproductive administrative staff, on diagnostic and remedial specialists, on expensive equipment that is either not needed, or underused or badly misused, on tons of identical and dull textbooks, readers and workbooks, and now on latest devices like computers. For much less than what we do spend, we could make our classrooms into far better learning environments than most of them are today.

6. (a) निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10
- (i) अनुकूल
 - (ii) उत्कृष्ट
 - (iii) आत्मवादी
 - (iv) उत्कर्ष
 - (v) परमार्थ
- (b) निम्नलिखित शब्दयुगलमे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10
- (i) जड़-जर
 - (ii) तप-ताप
 - (iii) चालि-चाली
 - (iv) चानि-चानी
 - (v) पुरान-पुराण
- (c) निम्नलिखित लोकोक्तिकेँ वाक्यमे प्रयोग करू : 2×5=10
- (i) कनही गायक भिन्ने बथान
 - (ii) कारी अक्षर महिस बरोबरि
 - (iii) गदहा खसलाह स्वर्गसँ, रुसलाह गामक लोकसँ
 - (iv) चट मैंगनी पट बिआह
 - (v) चोर कतहु इजोत सहय

(d) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू :

2×5=10

- (i) जे कम बाजय
- (ii) जे पालन करय
- (iii) जकर दमन कठिन हो
- (iv) जाहि पुरुषक पत्नी नहि हो
- (v) सत्य बजनिहार
